

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 19 October 2026

सौंदर्य शिक्षा को दिया वैज्ञानिक दृष्टिकोण, हुनर को दी नई पहचान ; डॉ. वृशाली जगदाळे का प्रेरक सफर

Sanket Morankar

Published on 18 Oct 2026



सौंदर्य शिक्षा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ने की पहल

दंतचिकित्सा, कॉस्मेटिक केमिस्ट्री और क्लिनिकल एस्थेटिक्स जैसे विविध क्षेत्रों का संगम साधते हुए डॉ. वृशाली जगदाळे ने अपनी अलग पहचान बनाई है। वे 'Aesthetic Training India' (ATI) की संस्थापक और प्रमुख हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सौंदर्यशास्त्र का प्रशिक्षण देना और कुशल, आत्मविश्वासपूर्ण पेशेवर तैयार करना उनके कार्य का मुख्य उद्देश्य है।

डॉ. वृशाली ने बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (BDS) की शिक्षा प्राप्त की है। इसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया स्थित Institute of Personal Care Science (IPCS) से कॉस्मेटिक केमिस्ट्री और फॉर्म्युलेशन का प्रशिक्षण लिया है। उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि और व्यावहारिक अनुभव सौंदर्य शिक्षा को वैज्ञानिक आधार पर आगे बढ़ाने की उनकी सोच को मजबूत करते हैं।

सिंगापुर के अनुभव से विकसित हुई सुरक्षित प्रशिक्षण की दृष्टि

सिंगापुर में आठ वर्षों तक क्लिनिकल एस्थेटिक प्रैक्टिस का अनुभव प्राप्त करते हुए डॉ. वृशाली जगदाळे ने सुरक्षित उपचार पद्धतियों, स्वच्छता, शरीररचना के ज्ञान और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के महत्व को करीब से समझा।

उनका मानना है कि सौंदर्यशास्त्र के क्षेत्र में केवल तकनीक सीखना पर्याप्त नहीं है। किसी भी प्रक्रिया के पीछे मौजूद विज्ञान को समझना, सुरक्षा संबंधी मानकों का पालन करना और नैतिक जिम्मेदारी के साथ काम करना भी आवश्यक है।

इसी सोच से उन्होंने Aesthetic Training India की स्थापना की। इस पहल का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ सुरक्षित कार्यपद्धतियों और जिम्मेदार पेशेवर दृष्टिकोण के लिए तैयार करना है।

Aesthetic Training India: ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल

Aesthetic Training India के माध्यम से क्लिनिकल कॉस्मेटोलॉजी, ट्रायकोलॉजी, सेमी-पर्मनेंट मेकअप, क्लिनिकल न्यूट्रिशन और संबंधित विषयों में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

डॉ. वृशाली अब तक चिकित्सा और गैर-चिकित्सा क्षेत्रों से जुड़े 500 से अधिक पेशेवरों को मार्गदर्शन दे चुकी हैं। प्रशिक्षण के दौरान वे देखरेख में व्यावहारिक प्रक्रियाएँ सीखने, सुरक्षा को प्राथमिकता देने और उचित निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने पर ध्यान देती हैं।

उनका उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें अपने कौशल का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने के लिए तैयार करना है। ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव के इस मेल से सौंदर्यशास्त्र के क्षेत्र में पेशेवर दक्षता विकसित करने पर जोर दिया जाता है।

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन

डॉ. वृशाली जगदाळे के कार्य का एक महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं को कौशल आधारित शिक्षा के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। वे उन महिलाओं को मार्गदर्शन देती हैं, जो कॉस्मेटोलॉजी, ट्रायकोलॉजी और सौंदर्यशास्त्र से जुड़े क्षेत्रों में करियर बनाना या अपना व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं।

उनकी पहल महिलाओं को नए कौशल सीखने, अपनी पेशेवर पहचान विकसित करने और उपलब्ध अवसरों को समझने में सहायता करने पर केंद्रित है। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएँ अपनी क्षमताओं को निखार सकती हैं और अपने करियर के लिए नई संभावनाएँ तलाश सकती हैं।

इस तरह उनका कार्य सौंदर्य शिक्षा को कौशल विकास, उद्यमशीलता और महिला सशक्तिकरण से जोड़ने का प्रयास करता है।

कॉस्मेटिक फॉर्म्युलेशन में वैज्ञानिक सोच

कॉस्मेटिक फॉर्म्युलेशन के क्षेत्र में भी डॉ. वृशाली जगदाळे की विशेष रुचि है। भारतीय त्वचा की आवश्यकताओं, पिग्मेंटेशन, मेलाज्मा और त्वचा की सुरक्षात्मक परत की देखभाल जैसे विषयों पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से काम करने पर उनका जोर है।

त्वचा की विभिन्न आवश्यकताओं को समझना और कॉस्मेटिक उत्पादों के निर्माण में वैज्ञानिक ज्ञान के महत्व को पहचानना इस क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कॉस्मेटिक केमिस्ट्री में उनकी शिक्षा और प्रशिक्षण इस विषय के प्रति उनकी रुचि को एक विशिष्ट आधार प्रदान करते हैं।

उनकी कार्यदृष्टि सौंदर्यशास्त्र को केवल बाहरी रूप तक सीमित रखने के बजाय ज्ञान, उचित प्रक्रियाओं और जिम्मेदार कार्यपद्धति से जोड़ती है।

हुनर को नई पहचान देने वाला नेतृत्व

डॉ. वृशाली जगदाळे का कार्य वैज्ञानिक सौंदर्य शिक्षा, व्यावहारिक कौशल और नैतिक जिम्मेदारी को एक साथ आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। Aesthetic Training India के माध्यम से वे प्रशिक्षणार्थियों को ज्ञान के साथ वास्तविक कौशल विकसित करने और पेशेवर जीवन में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन देती हैं।

महिलाओं के कौशल विकास और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना तथा सौंदर्यशास्त्र के क्षेत्र में सुरक्षित कार्यपद्धतियों के महत्व को बढ़ावा देना उनकी कार्यदृष्टि के प्रमुख पहलू हैं।

डॉ. वृशाली जगदाळे का प्रेरक सफर शिक्षा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण के समन्वय का उदाहरण है। दंतचिकित्सा और कॉस्मेटिक केमिस्ट्री की पृष्ठभूमि, सिंगापुर में क्लिनिकल एस्थेटिक प्रैक्टिस का अनुभव और Aesthetic Training India के माध्यम से उनका प्रशिक्षण कार्य उनके बहुआयामी योगदान को दर्शाता है।

ज्ञान को व्यावहारिक कौशल में बदलना, प्रशिक्षणार्थियों में आत्मविश्वास विकसित करना और महिलाओं को व्यावसायिक अवसरों की दिशा में मार्गदर्शन देना उनके नेतृत्व की विशेषताएँ हैं। **सौंदर्य शिक्षा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण देना और हुनर को नई पहचान दिलाना** उनके कार्य का सार है। उनका प्रयास सौंदर्य शिक्षा के क्षेत्र में सीखने, जिम्मेदारी और उद्यमशीलता की नई संभावनाओं को प्रोत्साहित करता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.